हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 122 | देहरादून, शुक्रवार, 03 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

अहमदाबाद में उत्तराखण्ड भवन बनाएगी धामी सरकार

3

सीएम ने राष्ट्रपिता को अर्पित की श्रद्धांजलि बोले, बचपन से गांधी जी से रहे हैं प्रेरित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अहमदाबाद स्थित गांधी आश्रम पहुँचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कुछ देर चरखा भी चलाया और अपने अनुभव भी यहां रखी विजिटर बुक में साझा किए। मुख्यमंत्री ग्लोबल इन्वेस्टर समिट को लेकर अहमदाबाद दौरे पर हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अहमदाबाद स्थित गांधी आश्रम पहुँचे जहां पर उन्होंने राष्ट्रपिता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने कुछ देर तक आश्रम में चरखा चलाया और आश्रम को भी देखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्य, अहिंसा और सद्भाव का संदेश पूरी दुनिया को देने वाले राष्ट्रपिता बापू को मैं नमन करता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी से हम बचपन प्रेरित हैं। भारत विश्व का अग्रणी राष्ट्र बने यह हम संकल्प लेते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता बापू के स्वाधीनता आंदोलन में किये गए कार्य हमेशा से हमें प्रेरणा देने का काम करते हैं।

उत्तराखंड : आज से बढ़ेगी ठंड, पांच जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 03 नवंबर : उत्तराखंड में मौसम फिर बदलाव की ओर है। यहां पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश-बर्फबारी होने के आसार बन रहे हैं। राज्य मौसम विभाग ने एक बार फिर उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 3 नवंबर को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के उच्च हिमालयी क्षेत्र में वर्षा और बर्फबारी की संभावना जताई है। जिसके बाद ठंड में और बढ़ोतरी होने की संभावना है।

जबकि देहरादून समेत मैदानी क्षेत्रों में इस समय मौसम साफ रहने की उम्मीद है। पर्वतीय क्षेत्रों में इन दिनों ठंड लगातार बढ़ रही है। मैदानों में मौसम आमतौर पर शुष्क है, लेकिन सुबह और शाम के वक्त तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

इस बीच मौसम विभाग ने बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं बारिश और बर्फबारी होने का पूर्वानुमान जताया है। अन्य क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते अब बारिश होने की संभावना है। जिससे ठंड में इजाफा होगा। तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। चारधाम क्षेत्र में भी ठंड बढ़ रही है। बीते दिनों यहां खूब बारिश-बर्फबारी हुई, जिसके बाद तापमान में तेजी से गिरावट आई है। चारधाम यात्रा अब अंतिम चरण में है। सबसे ऊंचे हिमपर्वत श्रृंखला पर विराजमान तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर डेढ़ हजार श्रद्धालुओं ने बाबा तुंगनाथ के दर्शन किए। बाबा तुंगनाथ की शीतकालीन पूजा अब मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ में होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरा, सात नवंबर को पहुंचेंगी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 नवंबर। राष्ट्रपति का विस्तृत कार्यक्रम प्रशासन को मिल गया है। राष्ट्रपति सात नवंबर को तीन दिवसीय दौरे पर देहरादून पहुंचेगी। राष्ट्रपति सात नवंबर को बरेली एयरपोर्ट पहुंचेंगी। बरेली से एमआई 17 हेलीकॉप्टर से पंतनगर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करेंगी। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम देहरादून में करेंगी।

राष्ट्रपति का रात्रि भोजन राजभवन में होगा। जबकि आठ नवंबर को भगवान बदरीनाथ के दर्शन के लिए जाएंगी। आठ नवंबर को सुबह जीटीसी हेलीपैड से बदरीनाथ धाम के लिए रवाना होंगी। बदरीनाथ धाम में दर्शन और आरती के बाद केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल होंगी।

यहां से वह रात्रि विश्राम के लिए वापस राजभवन लौटेंगी। नौ नवंबर सुबह नौ बजकर 35 मिनट पर पुलिस लाइन में राज्य स्थापना दिवस परेड की सलामी लेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति यहां से वापस दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

डीएवी में 25 साल बाद एबीवीपी का महासचिव निर्वाचित

देहरादून। प्रदेश के सबसे बड़े महाविद्यालय डीएवी कालेज के इतिहास में पहली बार महासचिव पद पर कोई प्रत्याशी निर्विरोध चुना गया है। वहीं एबीवीपी ने भी 25 साल बाद प्रत्याशी उतारा और वो महासचिव चुना भी गया। ये भी अपने आप में एक रिकार्ड है। इस जीत व रिकार्ड से एबीवीपी उत्साहित है और अध्यक्ष पद पर भी जीत को लेकर अब पूरी तरह से आश्वस्त दिख रही है। एबीवीपी ने सुमित कुमार को महासचिव पद पर प्रत्याशी बनाया था। उनकी टक्कर में सत्यम छात्र संगठन ने महासचिव के लिए गोविंद बिष्ट को उतार दिया। जबकि एनएसयूआई, आर्यन या किसी अन्य संगठन या निर्दलीय ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा। लेकिन गुरुवार को नामांकन वापसी के अंतिम समय में गोविंद बिष्ट ने अपना नामांकन वापस ले लिया। उन्होंने सुमित को समर्थन देते हुए एबीवीपी भी ज्वाइन कर ली।

पिज्जा खाने के शौकीन हैं तो हो जाइए सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवंबर , सब्जियों और हेल्दी टॉपिंग से सजा पिज्जा भला किसे पसंद नहीं होगा. ऑर्डर करने के 30 मीनट में ही अवेलेबल हो जाता है, इसे खाकर भले ही आपकी भूख शांत हो जाती है लेकिन क्या आपको पता है कि पिज्जा आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक है. हालांकि आप इस जंक फूड को महीने में खा सकते है. लेकिन अगर हर दुसरे- तीसरे दिन आप इसका सेवन कर रहे हैं तो फिर आपको यहां काफी संभलने कि जरूरत है. क्योंकि ये कई बीमारियों का घर बना रहा है ये लजीज पिज्जा.

जान लिजिए इसका विस्तार, हो जाइए सावधान

हार्ट से संबंधी बीमारियों का खतरा

आपको बता दें कि पिज्जा का स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें चीज का इस्तेमाल बेहद और अत्यधिक मात्रा में किया जाता है, जिससे दिल की बीमारियों की संभावना बहुत ही ज्यादा बढ़ जाती है. इलके अलावा अगर आप चिकनी चीज खाने के शौकीन हैं तो आपको इससे दोगुना खतरा हो जाता है.

बढ़ता है इससे ब्लड प्रेशर

बता दें कि अगर आप बहुत ज्यादा ही पिज्जा खाने के शौकिन है तो आपको पता होना चाहिए आप हाइपरटेंशन का शिकार हो सकते हैं. आप अगर एक पूरा पिज्जा खाते है तो आप सोडियम की मात्रा से काफी ज्यादा सेवन कर रहे है जो कि आपकी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है.

पिज्जा खाने से बढ़ता है बैली फैट

पिज्जा खाने से होता है ये खतरा, क्योंकि पिज्जा तैयार करने के लिए मैदे का इस्तेमाल किया जाता है. जो कि हमारी सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता है. इसमें फाइबर जैसे कोई भी न्यूट्रिएंट्स शामिल नहीं होते है. वहीं इसका काम सिर्फ बैली फैट को बढ़ाना होता है. जिससे आपको भविष्य में काफी नुकसान हो सकता है.

ब्लड शुगर लेवल का भी खतरा

वहीं ज्यादातर पिज्जा खाने वालों का ब्लड शुगर बहुत ज्यादा ही डिस्टर्ब हो जाता है. पिज्जा खाने वालों का एकदम से शुगर लेवल बढ़ जाता है और फिर एकदम से कम भी हो जाता है, जो कि काफी जानलेवा हो सकता है.

एसिडिटी की वजह

बता दें कि पिज्जा में मौजूद सॉस, चीज, मैदा पेट भरने के साथ-साथ एसिडिटी की भी वजह बन जाता है और अगर आपको पहले से ही एसिडिटी की समस्या है तो पिज्जा से दूरी बना लेने में ही आपको भलाई है.

दिल्ली मेट्रो के 50 स्टेशनों पर डिजिटल लॉकर की सुविधा शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली 03 नवंबर : दिल्ली मेट्रो के 50 स्टेशनों पर यात्रियों के लिए अपना सामान लॉकर में रखने की सुविधा शुरू की गई है. इस डिजिटल लॉकर को एक मोबाइल ऐप के जरिये संचालित किया जाएगा और यात्री तय घंटों के लिए लॉकर में अपना सामान सुरक्षित रख सकेंगे. दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर इस सेवा की शुरुआत की. डिजिटल लॉकर की यह सुविधा फिलहाल राजीव चौक, मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम, द्वारका सेक्टर-10, सुप्रीम कोर्ट, शहीद स्थल नया बस अड्डा, दिलशाद गार्डन, नोएडा सिटी सेंटर, आनंद विहार और सरिता विहार जैसे 50 मेट्रो स्टेशनों पर शुरू की गई है।

इन स्टेशनों पर बनाए गए स्मार्ट बॉक्स को अपनी जरूरत के हिसाब से सीमित समय के लिए बुक किया जा सकता है. इसके लिए यात्री को किसी मानवीय सहयोग की जरूरत नहीं होगी और वह मोबाइल ऐप 'मोमेंटम 2.0' को डाउनलोड कर अपना स्लॉट बुक कर सकेगा. इस ऐप का विकास करने वाली कंपनी ऑटो पे पेमेंट सॉल्यूशन के संस्थापक अनुराग बाजपेयी ने कहा कि इस ऐप का इस्तेमाल कर कोई भी व्यक्ति निर्धारित स्टेशनों पर एक घंटे से लेकर छह घंटे तक के लिए लॉकर की सेवाएं ले पाएंगे. इसके लिए निर्धारित किराये का भुगतान भी ऐप के जरिये ऑनलाइन ही करना होगा.

डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने डिजिटल लॉकर सुविधा की तुलना रेलवे स्टेशनों पर मिलने वाली क्लॉक रूम सुविधा से करते हुए कहा कि दोनों में अंतर सिर्फ डिजिटल मंच के इस्तेमाल का ही है. इसके साथ ही यात्री इस ऐप की मदद से 20 मेट्रो स्टेशनों पर स्थित 'वर्चुअल स्टोर्स' के जरिये सूचीबद्ध ई-कॉमर्स कंपनियों से ऑनलाइन खरीदारी करने, स्मार्ट बॉक्स डिजी-लॉकर के माध्यम से एक कूरियर भेजने और क्यूआर कोड खरीदने का काम भी कर सकते हैं.

कोविड के बाद अचानक मोटे हो गए लोग : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवंबर , आजकल मोटापा गंभीर बीमारी बन गया है. कोरोना के बाद से तो यह और भी खतरनाक होता जा रहा है. वजन बढ़ने की वजह से डायबिटीज और हार्ट डिजीज सहित कई गंभीर बीमारियां लोगों को घेर रही हैं. हाल ही में प्रिस्टीन डाटा लैब्स की रिपोर्ट में कई ऐसे चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं जो ओवरवेट और ओबेसिटी से ग्रस्त लोगों के लिए चिंताजनक हैं. स्टडी बताती है कि मोटापे से जूझ रहे लोगों को सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

प्रिस्टीन लैब्स की ओर से भारत में 3000 से ज्यादा लोगों पर की गई स्टडी बताती है कि देश में मोटापे से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए ज्यादा जागरूकता और ठोस कदम उठाने की जरूरत है. यह न केवल शारीरिक बीमारी बल्कि मानसिक बीमारी भी बनता जा रहा है.

लोगों को नहीं पता कितना हो वजन

स्टडी बताती है कि 61 प्रतिशत लोगों को अपने बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) के बारे में जानकारी ही नहीं है. उन्हें पता ही नहीं है कि उनकी लंबाई या उम्र के अनुसार उनके शरीर का वजन कितना होना चाहिए. इसके अलावा, प्रत्येक 2 में से एक उत्तरदाता का मानना है कि कोविड महामारी के बाद वजन में बढ़ोत्तरी हुई है जो जीवनशैली और स्वास्थ्य व्यवहार पर महामारी के संभावित असर को दर्शाता है.

ज्यादा मोटापे की वजह से हुए बुली और टीज

स्टडी के अनुसार, 70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि मोटापे की वजह से लोगों को वर्कप्लेस या सामाजिक कार्यक्रमों में बुली या टीज का सामना करना पड़ा. उन्हें लोगों द्वारा उनके मोटापे के लिए चिढ़ाया गया.

उत्तराखंड : शिक्षा विभाग में 692 पदों पर निकली भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 नवंबर : सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य के 692 पदों को सीधी भर्ती के जरिए भरा जाएगा। शिक्षा विभाग की ओर से बीते सालों में एलटी और प्रवक्ता संवर्ग के हजारों खाली पदों को भरा गया। अब सालों से रिक्त पड़े प्रधानाचार्य के पदों को भरने की तैयारी है। कुल 1024 रिक्त पदों को भरा जाना है। इसमें से 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती और 50 फीसदी पद विभागीय पदोन्नति से भरे जाने हैं। शिक्षकों की वरिष्ठता का विवाद हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के कारण विभागीय पदोन्नति के पद अब तक नहीं भरे जा सके हैं। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने बीते साल 50 फीसदी पदों को सीधी भर्ती से भरने का फैसला लिया। प्रधानाचार्य के कुल रिक्त 1024 पदों में से 692 पदों को सीधी भर्ती से भरने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराया गया था। जिसका अधियाचन शासन द्वारा राज्य लोक सेवा आयोग को भेज दिया गया है। प्रधानाचार्यों

के कुल रिक्त 1385 पदों में से 361 पद विभागीय पदोन्नति से पहले ही भरे जा चुके हैं, 332 पदोन्नति के पद रिक्त हैं। सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन की ओर से उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को भेजे गए अधियाचन में साफ किया गया है कि सीधी भर्ती के तहत रिक्त कुल 692 पदों में से प्रधानाचार्य के 624 व प्रधानाचार्य के 68 पदों पर भर्ती की जानी है। विभागीय नियमावली के नियम-08 के तहत शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण योग्यता रखने वाले आवेदन कर सकते हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया में दिव्यांग श्रेणी के पात्र शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की भी व्यवस्था रखी गई है।

लड़कियां जानबूझकर करती हैं ये काम.. फिर होती है बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवंबर , हर साल अक्टूबर महीने को 'स्तन कैंसर जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है. इसका उद्देश्य लोगों को ब्रेस्ट कैंसर जैसी घातक बीमारी के प्रति जागरूक करना है. महिलाओं में स्तन कैंसर अब पहले की तुलना में अधिक आम हो गया है. अगर समय रहते इसके लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए तो मौत का खतरा भी हो सकता है. इस कैंसर का खतरा आनुवंशिक, जीवनशैली और पर्यावरणीय कारकों पर निर्भर करता है। लेकिन आजकल खराब जीवनशैली के कारण यह बीमारी फैलने लगी है।

इन कारणों से हो सकता है ब्रेस्ट कैंसर

गंदा भोजन और उच्च चीनी का सेवनः प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शर्करा युक्त स्नैक्स और पेय वजन बढ़ाने और स्तन कैंसर के खतरे को बढ़ाने में योगदान कर सकते हैं। फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार लें।

धूम्रपानः धूम्रपान स्तन कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर के लिए एक ज्ञात जोखिम कारक है. धूम्रपान छोड़ने से आपके समग्र कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

स्तनपान न करानाः जो महिलाएं लंबे समय तक स्तनपान कराती हैं उनमें स्तन कैंसर का खतरा उन महिलाओं की तुलना में थोड़ा कम हो सकता है जो स्तनपान नहीं कराती हैं.

हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी): कुछ हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी, विशेष रूप से एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टिन को मिलाने वाली थेरेपी के लंबे समय

तक उपयोग से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। यदि आप रजोनिवृत्ति के लक्षणों के लिए एचआरटी पर विचार कर रहे हैं, तो अपने डॉक्टर से संभावित जोखिमों और लाभों पर चर्चा करें।

पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के संपर्क मेंः कुछ प्लास्टिक और कीटनाशकों में पाए जाने वाले रसायनों जैसे कुछ पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के लंबे समय तक संपर्क से स्तन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। जब भी संभव हो इन रसायनों के संपर्क को कम करने का प्रयास करें।

पूरे दिन बैठे रहना और व्यायाम न करनाः गतिहीन जीवनशैली स्तन कैंसर के उच्च जोखिम से जुड़ी है। नियमित शारीरिक गतिविधि, जैसे तेज़ चलना, जॉगिंग या तैराकी, आपके जोखिम को कम कर सकती है।

नियमित जांच न करवानाः नियमित स्तन कैंसर जांच, जैसे मैमोग्राम और क्लिनिकल स्तन परीक्षण के माध्यम से शीघ्र पता लगाने से शीघ्र उपचार और बेहतर परिणाम मिल सकते हैं. इन परीक्षणों से बचने या उपेक्षा करने से निदान और उपचार में देरी हो सकती है.

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि स्तन कैंसर का जोखिम बहुघटकीय है, और व्यक्तिगत कारक व्यक्ति-दर-व्यक्ति अलग-अलग होते हैं.

अहमदाबाद में उत्तराखण्ड भवन बनाएगी धामी सरकार

गुजरात , 3 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दो दिवसीय गुजरात - अहमदाबाद, दौरे के दौरान आज गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें बाबा केदार का स्मृति चित्र भेंट किया। इस दौरान उनसे प्रवासी उत्तराखंडियों की माँग पर अहमदाबाद में उत्तराखण्ड भवन बनाए जाने के लिए सहयोग हेतु अनुरोध किया। साथ ही दोनों राज्यों में गतिमान विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा कर उन्हें देवभूमि भ्रमण हेतु आमंत्रित भी किया।

देहरादून , 3 नवंबर , दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखण्ड आए केरल के महामहिम राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान से वक़्फ़ बोर्ड उत्तराखण्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स , हज कमेटी के अध्यक्ष ख़तीब अहमद,मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ़्ती शमून क़ासमी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और महामहिम का मार्गदर्शन प्राप्त किया । शम्स ने बताया के महामहिम से उत्तराखण्ड के मुस्लिम समाज के राजनैतिक और सामाजिक हालात को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की और मुस्लिम समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ को लेकर मार्गदर्शन किया और सभी अल्पसंख्यक विभागों में समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने की बात कही।

मंत्री गणेश जोशी ने किया जैंतनवाला में कृषक महोत्सव रबी- 2023 का शुभारंभ

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को देहरादून के ग्राम पंचायत हरिवालाखुर्द के जैंतनवाला में 'सरकार किसान के द्वार कार्यक्रम के तहत कृषक महोत्सव रबी- 2023 का शुभारंभ किया। उन्होंने जिले की 40 न्याय पंचायतों के लिए सात कृषि रथ रवाना किए। कहा कि राज्य की 6400 हेक्टेयर भूमि पर जल्द ही 'प्राकृतिक खेती योजना चलाई जाएगी। मंत्री जोशी ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश के आर्थिक विकास और उन्नति में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है। कहा कि वर्तमान में करीब 2.23 लाख हेक्टेयर भूमि पर जैविक खेती हो रही है। इसमें मंडुवा, सांवा, भट्ट, गुड, बासमती चावल का उत्पादन हो रहा है। इसका विपणन 'आर्गेनिक उत्तराखंड और 'नमामि गंगे ब्रांड के नाम से किया जा रहा है। भारत सरकार ने 6400 हेक्टेयर भूमि पर 'प्राकृतिक खेती की योजना चलाने की स्वीकृति दी है। राज्य सरकार गंगा कॉरिडोर में 1950 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती का संचालन करेगी। केंद्र के तर्ज पर प्रदेश सरकार की ओर से भी राज्य में 'मुख्यमंत्री प्राकृतिक कृषि योजना प्रारंभ की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक क्षेत्र को प्राकृतिक कृषि के अंतर्गत आच्छादित किया जा सके। उन्होंने कहा शीघ्र ही गंगा नदी स्वच्छता कार्यक्रम के तहत प्रदेश सरकार की ओर से 'नमामि गंगे प्राकृतिक कृषि कोरिडोर योजना शुरू की जाएगी। इस मौके पर कृषि महानिदेशक रणवीर सिंह चौहान, निदेशक कृषि केसी पाठक, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा मातवर सिंह बिष्ट, ग्राम प्रधान सागर सिंह, नैन सिंह पंवार, संध्या थापा, लीला शर्मा, प्रेम सिंह पंवार, निर्मला थापा, गिरीश उनियाल आदि मौजूद रहे।

देवभूमि के मोटे अनाज को मिली है वैश्विक स्तर पर पहचान : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 03 नवंबर। देवभूमि के मोटे अनाज को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। नैनीताल जिला प्रभारी मंत्री रेखा आर्या ने अर्न्तराष्ट्रीय मिलेट्स कृषक महोत्सव रबी की जिला स्तरीय कृषक गोष्टी का उद्घाटन समारोह में ये बात कही।महोत्सव बृहस्पतिवार से शुरू होकर 8 नवम्बर तक चलेगा।

जिला प्रभारी मंत्री ने संबोधन में कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में किसान भाइयों के लिए कई अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्हीं के प्रयासों से आज देवभूमि के मोटे अनाज को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। साथ ही कहा कि इस महोत्सव में कृषि क्षेत्र की नवीनतम विधाओं, नवाचारों और जनकल्याणकारी योजनाओं से किसानों को जागरूक किया जाएगा। इसके माध्यम से किसान, पशुपालक, कृषि से जुड़े तकनीकी विशेषज्ञ, कृषि व्यवसाय से जुड़े उद्यमी, शिक्षाविद, आदि एक मंच पर एकत्रित होंगे। वहीं इस महोत्सव में किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम प्रयोग, अनुसंधान आदि की जानकारी दी जाएगी। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्षा बेला तोलिया, ब्लॉक प्रमुख रूपा देवी, सीडीओ संदीप तिवारी,किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी,कृषि अधिकारी विकेश यादव,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जहीर अंसारी, मंडल अध्यक्ष प्रताप रेखवाल सहित अधिकारीगण और सम्मानित जनता उपस्थित रही।

खेल और खिलाड़ियो के प्रति राज्य सरकार गंभीर

प्रभारी मंत्री रेखा आर्य ने बद्रीपुरा स्टेडियम हल्द्वानी में कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि आज हमारे बच्चे खेल के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियो को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है। आज हमारे खिलाड़ियो के लिए हमने आउट ऑफ टर्न की व्यवस्था, प्रोत्साहन राशि सहित कई और सुविधाओं को विकसित किया है। जल्द ही हम सरकारी नौकरी में खिलाड़ियो के लिए 4 प्रतिशत का आरक्षण की भी व्यवस्था करने जा रहे हैं जिससे कि हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों को नौकरी में लाभ प्राप्त हो सके।

भाजपा कार्यालय में नवनियुक्त दायित्वधारियों का स्वागत

हल्द्वानी। भाजपा कुमाऊं संभाग कार्यालय में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त दायित्वधारियों सुरेश भट्ट, अनिल कपूर डब्बू व कैलाश पंत का स्वागत किया गया। मौके पर तीनों दायित्वधारियों ने क्षेत्र की जनता के लिए समर्पित रहकर कार्य करने का वादा किया। तीनों ने कहा कि वह अपने-अपने विभागों की योजनाओं का फायदा आम आदमी तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मेयर जोगेंद्र रौतेला, विधायक राम सिंह कैड़ा, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र बिष्ट, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी चंदन बिष्ट, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश रावत, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष साकेत अग्रवाल, प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, जिला महामंत्री नवीन भट्ट, रंजन बर्गली मौजूद रहे।

एनएसयूआई प्रत्याशियों का किया स्वागत

कोटद्वार। डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के लिए एनएसयूआइ घोषित प्रत्याशियों का जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। एनएसयूआइ की ओर से इस बार छात्र संघ चुनाव में मन्दीप को अध्यक्ष, खुशी कंडवाल को विवि प्रतिनिधि, अमीषा बुड़ाकोटी को उपाध्यक्ष, शिवांशु शाह को सचिव, साहिल सिंह बिष्ट को सहसचिव और अमित काला को कोषाध्यक्ष पद प्रत्याशी बनाया गया है। मौके पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने सभी प्रत्याशियों को जीत के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत एवं बलबीर सिंह रावत, मौ. स्वाले, शिवम भूषण शाह, प्रवेश रावत, अमितराज सिंह और विजय नेगी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनएसयूआई प्रत्याशियों का किया स्वागत

कोटद्वार। डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के लिए एनएसयूआइ घोषित प्रत्याशियों का जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। एनएसयूआइ की ओर से इस बार छात्र संघ चुनाव में मन्दीप को अध्यक्ष, खुशी कंडवाल को विवि प्रतिनिधि, अमीषा बुड़ाकोटी को उपाध्यक्ष, शिवांशु शाह को सचिव, साहिल सिंह बिष्ट को सहसचिव और अमित काला को कोषाध्यक्ष पद प्रत्याशी बनाया गया है।

Dhanteras 2023 : धनतेरस कब है? जानें लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवम्बर , धनतेरस से दिवाली के त्योहार का शुभारंभ होता है. हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाते हैं, इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं. त्रयोदशी को प्रदोष व्रत भी रखा जाता है. धनतेरस के दिन लोग सोना, चांदी, आभूषण, मकान, वाहन आदि की खरीदारी करते हैं. धनतेरस पर माता लक्ष्मी और धन के अधिपति कुबेर की पूजा की जाती है, ताकि वर्ष भर धन का संकट न हो और आर्थिक स्थिति मजबूत हो. काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि इस साल धनतेरस कब है? धनतेरस पर लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त क्या है? धनतेरस पर सोना खरीदने का सही समय क्या है?

धनतेरस 2023 की सही तारीख क्या है ?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ 10 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर हो रहा है. यह तिथि 11 नवंबर को दोपहर 01 बजकर 57 मिनट तक मान्य है. ऐसे में प्रदोष काल 10 नवंबर को प्राप्त हो रहा है, इसलिए इस वर्ष धनतेरस 10 नवंबर दिन शुक्रवार को है.

धनतेरस 2023 लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त

10 नवंबर को धनतेरस पर गणेश, कुबेर और लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त शाम 05 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होगा और यह मुहूर्त शाम 07 बजकर 47 मिनट तक रहेगा. इस बार धनतेरस पूजा के लिए आपको 1 घंटा 56 मिनट का शुभ समय प्राप्त होगा. इस दिन ही यम दीपम भी होगा.धनतेरस को प्रदोष काल शाम 05 बजकर 30 मिनट से शुरू हो रहा है, जो रात 08 बजकर 08 मिनट तक रहेगा. वहीं वृषभ काल शाम 05:47 बजे से शाम 07:43 बजे तक रहेगा.

धनतेरस 2023 पर सोना खरीदने का सही समय

धनतेरस वाले दिन सोना खरीदने के लिए आपको 18 घंटे 05 मिनट तक का शुभ समय प्राप्त होगा. धनतेरस को सोना खरीदने का समय दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से अगले दिन 11 नवंबर को सुबह 06 बजकर 40 मिनट तक है.

कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स के आइकॉनिक फंड ने जुटाए 1000 करोड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 नवंबर , कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड ने घोषणा की कि उसके कोटक आइकॉनिक फंड ने 1,000 करोड़ रुपये जुटाने में सफलता हासिल की है। इक्विटी मल्टी-एडवाइजर पोर्टफोलियो समाधान के रूप में असीमित अवधि वाले इस फंड की पेशकश की गई है। इस फंड ने बाजार पूंजीकरण और सुंयोजित तरीके से आवंटन में सक्रिय एवं निर्षक्रिय निवेश की विविधतापूर्ण रणनीतियों को अपनाकर लचीले दृष्टिकोण को बरकरार रखा है। मौजूदा दौर में निवेश के गतिशील परिदृश्य में, निवेशकों के लिए अस्थिरता और लगातार बदल रहे बाजार के माहौल के साथ तालमेल बिठाना कठिन होता जा रहा है, और इसी वजह से निवेशकों के लिए बाजार की बदलती परिस्थितियों में इक्विटी पोर्टफोलियो तैयार करना और उसे बनाए रखना बेहद कठिन हो जाता है। कोटक आइकॉनिक फंड अपने अनुशासित संरचना पर आधारित निवेश एवं जोखिम प्रबंधन के ज़रिये इस समस्या के समाधान की पेशकश करता है, ताकि निवेशक अपने निवेश के सफर पर सहज तरीके से आगे बढ़ सकें।

इस अवसर पर कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड में इन्वेस्टमेंट एंड स्ट्रेटजी की सीईओ, लक्ष्मी अय्यर ने कहा, ₹1,000 करोड़ रुपये के एयूएम का यह सफर सही मायने में सच्ची लगन, लचीलेपन और निवेशकों के भरोसे की वजह से ही संभव हो पाया है, जिन्होंने भारतीय इक्विटी क्षेत्र में कोटक आइकॉनिक को अपने पसंदीदा निवेश माध्यम के रूप में चुना है। कोटक आइकॉनिक फंड निवेशकों की इक्विटी यात्रा में दक्षता और परिचालन को सुगम बनाने में मदद करता है।

फंड की अनुभवी पेशेवरों की टीम लगातार निवेश की ऐसी रणनीतियों की पहचान करती है, जो फंड के निवेश उद्देश्य के अनुरूप हो।" कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड के विवेकाधीन पोर्टफोलियो सॉल्यूशंस के प्रमुख, निशांत कुमार ने कहा, "कोटक आइकॉनिक फंड निवेशकों को उनके इक्विटी आवंटन से संबंधित सभी जरूरतों के लिए सारे समाधान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है, जो रणनीति तरीके से चयन, आवंटन और प्रदर्शन निगरानी को संभालता है। अत्यंत परिश्रम के साथ किया गया शोध, अनुशासित संरचना पर आधारित निवेश, जोखिम प्रबंधन और भारत के आर्थिक माहौल की गहरी समझ हमारे इस कोटक आइकॉनिक फंड की बुनियाद है।" सेबी के विनियमों के तहत श्रेणी III के वैकल्पिक निवेश फंड के रूप में कोटक आइकॉनिक फंड को स्थापित किया गया है।

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे चाइना का नकली लहसुन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवंबर , आज के बदलते वक्त के साथ कई चीजों में मिलावट की जाती है. ऐसे में भला कैसे पीछे रह सकती है खाने- पीने की चीजें. हां तो लोगों का ध्यान खींचने के लिए आज कल मार्केट में कई तरह के स्कैम देखने को मिल रही है. जिसके जरिए नकली चीजें तैयार कर लोगों को बेवकूफ बनाया जाता है. कई बार तो लाख कोशिशों के बाद भी असली-नकली में फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है. तो नकली सामान बनाने में चीन का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है. देखा जाए तो चीन ने डेली यूज से लेकर खाने-पीने की चीजों में मिलावट कर नकली चीजों को बनाने में महारत हासिल कर रखी है.

वहीं अगर देखा जाए तो मार्केट में बिकने वाला ये नकली लहसुन भारत के भी बहुत से घरों में रोजाना खाया जा रहा है, जिससे कई लोग अब तक अंजान है. वहीं आपको बता दें कि दिखने में ये सफ़ेद लहसुन को पहचानना आपके के लिए इतना भी मुश्किल नहीं है. अगर आपको ये पता चलेगा कि, इन लहसुनों की खेती कैसे की जाती है. इस वीडियो में एक शख्स नकली लहसुन के बारे में बता रहा है कि, लहसुन को कुछ इस तरह से बनाया जाता है कि, आप बिना कुछ सोचे इसे झट से खरीद लेते. इन लहसुन को छीलना बेहद आसान है.

इसके बाद वहीं अगर स्वाद की बात की जाए तो इस नकली लहसुन का स्वाद बिल्कुल असली लहसुन की तरह होता है, इससे फर्क करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है. लेकिन वीडियो में जो शख्स बता रहा है कि, इस नकली लहसुन को पैदा करने का तरीका बेहद चौंकाने वाला है. वहीं वीडियो में दावा किया जा रहा है कि, बता दें कि इस नकली लहसुन को लीड और अन्य मेटल के जरिये जल्दी तैयार किया जाता है, और यही नहीं इसे क्लोरीन से ब्लीच किया जाता है, ताकि ये सफेद रह सके.

ऐसे करें पहचान असली और नकली लहसुन

असली हो नकली लहसुन में फर्क और पहचान करने के लिए कुछ तरीके बताए गए हैं. पहचान के लिए आपको लहसुन को पलट कर देखना होगा. निचले हिस्से में अगर दाग दिखाई दे तो मतलब है कि, ये असली है. वहीं इसके उलट अगर लहसुन बिल्कुल सफेद है तो ये चीन का नकली लहसुन हो सकता है. सबसे पहले यह जान लें कि, मार्केट में मिलने वाला नकली लहसुन बेहद सफेद होता है. इसमें आपको किसी भी तरह के कोई दाग-धब्बे नहीं नजर आएंगे.

उत्तराखंड में कबाड़ हो जाएंगी 15 साल पुरानी ये गाड़ियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 03 नवंबर : उत्तराखंड में 15 साल की आयु पूरी कर चुके सरकारी वाहनों का अब रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। वो कबाड़ मान लिए जाएंगे।सीएम पुष्कर सिंह धामी सरकार की कैबिनेट बैठक में स्क्रैप नीति को लागू कर दिया गया। स्क्रैप पॉलिसी के तहत कामर्शियल और निजी वाहनों के स्क्रैप कराने वालों को टैक्स छूट दी जाएगी। 15 साल वाली शर्त फिलहाल प्राइवेट वाहनों के लिए लागू नहीं है, फिटनेस होने तक वो चलते रहेंगे। केंद्र सरकार ने पुराने वाहनों के लिए स्क्रैप पॉलिसी लागू की है। उसके मानकों को राज्य ने भी लागू करने का निर्णय किया है। इसके तहत 15 साल पुराने सरकारी वाहन अब कबाड़ की श्रेणी में आएंगे। नई गाड़ी की खरीद पर डिस्काउंट भी मिलेगा। कमर्शियल प्राइवेट वाहन को स्क्रैप कराने के बाद नया वाहन खरीदने वालों को टैक्स में 25 प्रतिशत तक रियायत मिलेगी। इस रियासत की अधिकतम सीमा 50 हजार रुपये तक होगी। स्क्रैप पॉलिसी का नफा-नुकसान भी जान लेते हैं। गैर सरकारी वाहनों को स्क्रैप कराने पर टैक्स छूट के साथ पुरानी देयताएं भी माफ कर दी जाएंगी। इससे हर साल 3.45 करोड़ की राजस्व हानि होगी, जबकि नए वाहनों की खरीद जीएसटी के रूप में लगभग 95 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा। इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपये की विशेष केन्द्रीय सहायता प्रदान की जायेगी। राज्य को प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपये की धनराशि मिलेगी। बता दें कि उत्तराखंड में विभिन्न सरकारी महकमों के 6200 वाहनों को स्क्रैप की श्रेणी में चिह्नित किया है। केंद्रीय कार्यालय, उत्तराखंड सरकार, सरकारी निगम, निकाय, रोडवेज समेत सभी विभागों को अपने 15 साल पुराने वाहनों को स्क्रैप करने को कहा गया है।

जल्द निपटा लें अपने काम, नवंबर में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 नवंबर : भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नवंबर के लिए बैंक की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है. आरबीआई के हॉलीडे कैलेंडर के मुताबिक, नवंबर में कुल 15 दिन बैंक बंद रहेंगे. इनमें महीने के सभी रविवार और सेकंड और फोर्थ सैटरडे दूसरा और चौथा शनिवार शामिल है। RBI हर महीने के लिए छुट्टियों की लिस्ट तैयार करती है. छुट्टियों कोके तहत तीन कैटेगरी में बांटा जाता है. हॉलीडे, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट हॉलीडे और बैंक क्लोजिंग ऑफ अकाउंट।

दीपावली समेत कई रीजनल फेस्टिवल पर भी बैंक में काम नहीं होगा। आरबीआई कैलेंडर के मुताबिक, कुछ बैंकों में रीजनल फेस्टिवल पर छुट्टियां रहती हैं. छुट्टियों की संख्या अलग-अलग राज्यों और बैंकों में अलग-अलग हो सकती हैं। 1 नवंबर को कन्नड़ राज्योत्सव/कुट/करवा चौथ के कारण कर्नाटक, मणिपुर और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे.10 नवंबर को वंगाला महोत्सव के कारण अगरतला, देहरादून, गंगटोक, इंफाल, कानपुर और लखनऊ में बैंकों में हॉलीडे रहेगा.भारत के ज्यादातर राज्यों में बैंक 11 से 14 नवंबर तक बंद रहेंगे.15 नवंबर को भाई दूज/चित्रगुप्त जयंती/निंगोल चाकौबा/भ्रातृ द्वितीया के मौके पर गंगटोक, इंफाल, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे.20 नवंबर को छठ पर्व के कारण बिहार और छत्तीसगढ़ में बैंकों में हॉलीडे रहेगा.23 नवंबर को सेंग कुत्स नेम/इगास-बग्वाल के कारण उत्तराखंड और मणिपुर में बैंक बंद रहेंगे.चौथे शनिवार और रविवार, गुरु नानक जयंती/कार्तिक पूर्णिमा/रहस पूर्णिमा के कारण बैंक 25-27 नवंबर तक लंबे वीकेंड पर बंद रहेंगे. कनकदास जयंती के अवसर पर 30 नवंबर को कर्नाटक में बैंक बंद रहेंगे। इसलिए आप अपने बैंक से जुड़े काम हॉलीडे कैलेंडर के मुताबिक ही प्लान करें. हालांकि, बैंक ब्रांच बंद होने के बाद भी इन बैंकों की ऑनलाइन सर्विस और यूपीआई

जैसी सुविधाएं पहले की तरह ही चालू रहेंगी.

1 नवंबरः कन्नड़ राज्योत्सव/कुट/करवा चौथ10 नवंबरः वांगला महोत्सव13 नवंबरः गोवर्धन पूजा/लक्ष्मी पूजा (दीपावली)/दिवाली14 नवंबरः दिवाली (बाली प्रतिपदा)/दीपावली/विक्रम संवंत नव वर्ष दिवस/लक्ष्मी पूजा15 नवंबरः भाई दूज/चित्रगुप्त जयंती/लक्ष्मी पूजा (दीपावली)/निंगोल चाकौबा/भ्रातृ द्वितीया20 नवंबरः छठ23 नवंबरः सेंग कुत्स नेम/इगास-बग्वाल27 नवंबरः गुरु नानक जयंती/कार्तिक पूर्णिमा/रहस पूर्णिमा30 नवंबरः कनकदास जयंती

उत्तराखंड से दिल्ली जाने वालों के लिए अच्छी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 नवंबर : पिछले दिनों एक खबर ने उत्तराखंड से दिल्ली जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाए रखीं।खबर में लगातार ये कहा जा रहा था कि दिल्ली में पॉल्यूशन को देखते हुए उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगाई जा रही है। इस तरह की खबरें लगातार सामने आने से यात्री परेशान थे, उनमें भ्रम की स्थिति बनी हुई थी, लेकिन अब परिवहन विभाग ने स्थिति साफ कर दी है।

परिवहन विभाग ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में इलेक्ट्रिक बसों, सीएनजी अथवा बीए-06 मॉडल डीजल वाहनों के संबंध में दिल्ली की ओर से सर्कुलर जारी किया गया था। वह पत्र हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तर प्रदेश राज्यों के सिटी, टाउन, एनसीआर क्षेत्र से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में संचालित होने वाली बसों के संबंध में जारी किया गया है। पत्र के अनुसार एनसीआर क्षेत्र से प्रारंभ होने वाली व दिल्ली में जाने वाली बसों के लिए ही इलेक्ट्रिक बसों, सीएनजी, बीएस-6 मॉडल के वाहनों के मानक लागू होंगे।

इस लेटर में उत्तराखंड परिवहन निगम की

दिल्ली में प्रवेश करने वाली बसों पर रोक लगाने के संबंध में कोई आदेश नहीं किया गया है। इसका मतलब साफ है कि उत्तराखंड परिवहन निगम की बसें पहले की तरह सामान्य रूप से चलती रहेंगी। इस तरह परिवहन विभाग ने यात्रियों की बड़ी टेंशन दूर कर दी है। उत्तराखंड से दिल्ली के बीच बसों का संचालन पूर्व की भांति होता रहेगा। आप भी इस खबर का संज्ञान लें और इसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाएं, ताकि भ्रम की स्थिति से बचा जा सके।

देहरादून से मुंबई के बीच बंद हुई ये फ्लाइट, ये है कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 नवंबर : दिवाली का त्योहार करीब है। बसों से लेकर ट्रेन तक सब पैक हैं। हर कोई अपने घर पहुंचने की जल्दी में है, लेकिन विस्तारा एयरलाइंस ने उत्तराखंड के यात्रियों को बड़ा झटका दे दिया है। विमानन कंपनी विस्तारा ने मुंबई से देहरादून के बीच संचालित होने वाली सुबह की एक फ्लाइट को बंद कर दिया है। यह फ्लाइट अनिश्चितकाल के लिए बंद की गई है। जाहिर है इससे देहरादून से मुंबई के बीच सफर करने वाले यात्री प्रभावित होंगे। कंपनी के इस फैसले से दिवाली पर मुंबई से अपने घर की ओर आने की सोच रहे गढ़वाल मंडल के वाशिंदों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

विमानन कंपनी विस्तारा की यह फ्लाइट मुंबई से हवाई यात्रियों को लेकर सुबह 8:15 बजे देहरादून एयरपोर्ट पर लैंड होती थी और करीब आधे घंटे के बाद पुनः मुम्बई के लिए उड़ान भरती थी।राहत इस बात की है कि विस्तारा की दूसरी मुंबई वाली फ्लाइट यथावत रहेगी। बताया जा

रहा है कि विमानन कंपनी विस्तारा ने फ्लाइट बंद करने का निर्णय विंटर सीजन और चारधाम यात्रियों की संख्या कम होने के कारण लिया है। इस फ्लाइट के निरस्त होने के बाद अब विमानन कंपनी की देहरादून मुंबई के बीच एकमात्र फ्लाइट दोपहर को संचालित होगी। जो करीब ढाई बजे मुंबई से यात्रियों को लेकर जौलीग्रांट एयरपोर्ट देहरादून पहुंचेगी।

संक्षिप्त खबरें

मंगलौर में युवक की हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

रुडकी। लंढौरा में युवक की हत्या के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही फरार आरोपियों की तलाश को संभावित ठिकानों पर दबिश जारी है। लंढौरा की रविदास बस्ती निवासी पंकज ने तहरीर देकर बताया था कि बस्ती में हुए दो पक्षों के झगड़े के बीच घायलों का उपचार कराकर लौट रहा था। इस बीच रास्ते में दूसरे पक्ष ने ईंट भ_ के पास हमला कर दिया था। इसमें भाई सूर्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। उपचार के लिए सूर्य को अस्पताल ले जाया गया था। चिकित्सकों ने सूर्य को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने दस से अधिक लोगों को नामजद कर अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रमोद कुमार और लंढौरा चौकी प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह की टीम को सूचना मिली कि हत्या के आरोपी क्षेत्र में हैं।

सीबीआरआई में आज से जानेंगे प्रदूषण रहित ईट बनाना

रुडक़ी। सीबीआरआई में शुक्रवार से उद्यमियों को लाल ईंट बनाने की जानकारी दी जाएगी। उन्हें कम लागत में प्रदूषण रहित ईंट बनाने के बारे में भी बताया जाएगा। संस्थान में दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत उद्यमियों को डिजाइन, निर्माण और संचालन विषय पर जानकारी दी जाएगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नीरज जैन ने बताया कि पकी हुई मिट्टी से ईंट बनाने का उद्योग असंगठित क्षेत्र में आता है। उत्तर भारत में कुल 65त्न हिस्सा ईंट उत्पादन होता है।

टेंपो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रुडक़ी। ग्राम पठौडी बक्काल सहारनपुर निवासी रामसिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि 26 अक्टूबर को उनका पुत्र अमित अपनी ससुराल नारसन कलां से भगवानपुर जा रहा था। वह इकबालपुर में ग्राम कुंजा मोड़ पर पहुंचा तो पुहाना की ओर से तेज गति से आ रहा टेंपो ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक को टेंपो काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। अमित उसमें फंसा रहा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। टेंपो चालक पर कार्रवाई की जाएगी।

एनसीसी कैडेट्स को दी शस्त्रों की जानकारी

रुडक़ी। चौधरी भारत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज में एनसीसी में भर्ती होने वाले नए कैडेट्स को परेड के दौरान शस्त्रों के बारे में जानकारी दी गईं। साथ ही ड्रिल एनसीसी के उद्देश्य और अनुशासन के बारे में बताया गया। 84वीं वाहिनी से आए सूबेदार लखपत सिंह ने प्रथम और द्वितीय वर्ष के एनसीसी कैडेट्स की कक्षा चलाकर मैदान पर अभ्यास कराया गया। कॉलेज के प्रधानाचार्य ओम सिंह सैनी ने नई भर्ती के कैडेट्स को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अनुशासन को अपने जीवन में लाना है। यही एनसीसी का उद्देश्य है।

बंदरों के आतंक व आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग

रुडक़ी। विश्व हिंदू परिषद ने वन अधिकारी और पालिका प्रशासन को पत्र लिखकर बंदरों और आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है। कहा गया है कि लगातार आवारा कुत्ते लोगों को काट रहे हैं। अस्पताल में भी एंटी रेबीज के पर्याप्त इंजेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। इससे लोगों को महंगे इंजेक्शन बाजार से खरीदने पड़ रहे हैं। इसके साथ ही बंदरों का के आतंक से बच्चे और महिलाएं अधिक परेशान हैं। परिषद के नगर अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार शर्मा ने कहा कि जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

नेशन फस्र्ट बाइक रैली का शुभारंभ

रुडक़ी। इंडियन ऑयल ने उत्तराखंड में भारतीय सेना की नेशन फस्र्ट बाइकर रैली की शुरुआत की। जिसका शुभारंभ गुरुवार को रुडक़ी के गणपति गैसोलाइन स्टेशन से किया गया। इंडियन ऑयल ने राष्ट्र प्रथम थीम के तहत एकजुट होकर सुरम्य उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भारतीय सेना की रोमांचक बाइकर रैली अभियान को गर्व से प्रायोजित किया है। ये रैली पहाड़ी क्षेत्रों से होकर राजधानी देहरादून तक पहुंचेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

रुडक़ी। संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। विवाहिता के परिजनों ने आनन-फानन में उसका दाह संस्कार कर दिया। एक ग्रामीण द्वारा पुलिस को घटना के संबंध में सूचना दी गई। पुलिस पहुंची तो महिला का दाह संस्कार हो चुका था। पुलिस का कहना है कि परिजनों के अनुसार वह हृदय रोग से पीड़ित थी और हृदय गति रुकने से ही उसकी मृत्यु हुई है।

जीवन लंबा पर सेहतमंद नहीं. जीवन शैली से जुड़े मरीज हो गए दोगुने, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 नवंबर : कहने को तो अब हम ज्यादा जीने लगे हैं। बीते पांच दशक में हमारी औसत उम्र जीवन प्रत्याशा करीब 22 साल बढ़ गई है। लेकिन उम्र ज्यादा होने से स्वस्थ जीवन में कोई खास इजाफा नहीं हुआ। अब हम पहले के मुकाबले ज्यादा बीमारियों के साथ जीने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट के हिसाब से बीमारों की देखभाल में तो भारत का प्रदर्शन पहले से अच्छा रहा है लेकिन जीवन शैली से जुड़े डायबिटीज जैसे रोगों ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। कभी पोलियो, खसरा, टीबी और एड्स से लड़ता रहा भारत आज डायबिटीज 'कैपिटल' बन गया है और 2025 तक सात करोड़ से ज्यादा लोग इससे ग्रसित होने के आसार हैं।

जीवन शैली के कारण होने वाली बीमारियों ने 35 साल तक की युवा आबादी को शहर ही नहीं, गांवों तक तेजी से अपनी गिरफ्त में लिया है और यह मौत का सबसे बड़ा कारण बन गई हैं। इसका असर कोरोना महामारी में साफ देखने को मिला, जिसमें जान गंवाने वाले आधे भारतीय पहले से ही डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसे रोगों के शिकार थे।

22 साल बढ़ी भारतीयों की उम्र, पर जीवन शैली से जुड़े रोगों के मरीज हो गए दोगुने

गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की तादाद हुई 50% :

दक्षिण एशिया क्षेत्र में काफी लोगों के जीवन का एक बड़ा हिस्सा खराब सेहत की भेंट चढ़ रहा है और गैर-संक्रामक (एनसीडी) रोग इसकी बड़ी वजह बनकर उभरे हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत के स्वास्थ्य तंत्र पर 58 फीसदी रोग भार गैर-संक्रामक रोगों के कारण है, जो 1990 में 29 फीसदी था। एनसीडी के कारण अकाल मौतों की तादाद पहले सिर्फ 22 फीसदी थी, जो अब दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 50 फीसदी हो गई है।

वायु प्रदूषण, उच्च रक्तचाप और खराब भोजन मुख्य कारण2019 में एक शोध में पता लगा था कि देश में जान लेने वाले शीर्ष पांच कारणों में वायु प्रदूषण (16.7 लाख मौतें), उच्च रक्तचाप (14.7 लाख मौतें), तंबाकू (12.3 लाख), खराब भोजन (10.18 लाख) और उच्च ब्लड शुगर (10.12 लाख) शामिल हैं।

हम 70 साल जीने लगे, 10 हजार लोगों पर महज नौ डॉक्टर1970 में औसत उम्र 47.7 साल थी, जो 2020 में बढ़कर 69.6 साल हो गई है। डॉक्टर और नर्सों का अनुपात तुलनात्मक रूप से सुधरा है पर व्यापक रूप से हालात अभी कमजोर हैं। 10 हजार लोगों पर नौ डॉक्टर और 24 नर्सें ही हैं। इतने ही लोगों पर महज नौ फार्मासिस्ट हैं।

इस बीमारी का पता 9 साल पहले लगाया जा सकता है : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 नवंबर : दुनियाभर में ऐसे भी लोग है. जिनको चीजें भूलने की बीमारी है के वैज्ञानिक डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी दिमागी बीमारियों का परमानेंट इलाज ढूंढने में लगे हैं। इसी बीच इंग्लैंड की कैमब्रिज यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इंसान में लक्षण आने से पहले ही इन रोगों का पता लगाने का तरीका ढूंढ निकाला है। स्टडी के मुताबिक, बीमारी होने के 9 साल पहले ही उसे डिटेक्ट किया जा सकता है। नई स्टडी से उन लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा, जिन्हें पहले से भूलने की बीमारी का खतरा है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल डिमेंशिया और पार्किंसंस डिजीज का कम से कम एक लक्षण दिखाई देने पर ही रोग को डायग्नोस किया जाता है। जबकि दिमाग में हो रहे ये बदलाव कई सालों या दशकों पहले ही होने लगते हैं। स्टडी में शामिल वैज्ञानिकों ने 40 से 69 साल के 5 लाख प्रतिभागियों के बायो मेडिकल डेटा को एनालाइज किया।

इसमें आनुवंशिक (जेनेटिक), लाइफस्टाइल और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी थी। डेटा में लोगों की याददाश्त, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, प्रतिक्रिया देने का समय, चीजें पकड़ने की ताकत और वजन घटने-बढ़ने की जानकारी

भी थी। नतीजों में पाया गया कि जिन लोगों को अल्जाइमर था, स्वस्थ लोगों के मुकाबले उनकी प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल, प्रतिक्रिया का समय, संख्या याद करने की क्षमता और जोड़ी मिलाने की क्षमता काफी खराब थी।

जब इन लोगों की हिस्ट्री देखी गई, तब पता चला कि सालों पहले से इनकी दिमागी क्षमताएं कमजोर होती जा रही थीं। रिसर्च में शामिल कैमब्रिज यूनिवर्सिटी के जूनियर डॉक्टर ने स्वाद विधि पोंग कहते हैं- मरीज में भूलने की बीमारी का कोई ठोस लक्षण दिखने के सालों पहले ही उसमें हल्के लक्षण आने लगते हैं। अब इस स्टडी की मदद से 50 साल से ज्यादा के ऐसे लोगों की पहले ही जांच की जा सकेगी, जिनका ब्लड प्रेशर ज्यादा रहता है, जो एक्सरसाइज नहीं करते और उन्हें दिमागी बीमारियों का जोखिम ज्यादा है।

खतरे में है महंगी शादी करने वाले रिश्ते, स्टडी में दावा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 03 नवंबर : पहले शादियां ज्यादातर घरों या मंदिरों में ही हो जाती थी। सारी व्यवस्था की जिम्मेदारी परिवार और विश्वास के संगे संबंधियों पर होती थी। लोग शादियों में खर्चे के साथ अपने बचत की भी बराबर चिंता करते थे। लेकिन अब ट्रेंड पूरा बदल गया है, अब शादी के लिए आपको बस पैसा खर्च करना है और इस दिन को बिना किसी चिंता के एंजॉय करना है। इस सुविधा को देकर ही आज वेडिंग कराने वाली कंपनियां अरबों कमा रही है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि हर कोई एक ग्रैंड शादी करना चाहता है, जिसका उदाहरण देते लोग थके नहीं। हम सबके आसपास ऐसे कई लोग हैं भी जो अपनी शादी पर आंख बंद करके खर्च करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं, यह शादीशुदा जीवन के लिए एक अभिशाप की तरह है। एक स्टडी में इस बात का दावा किया गया है

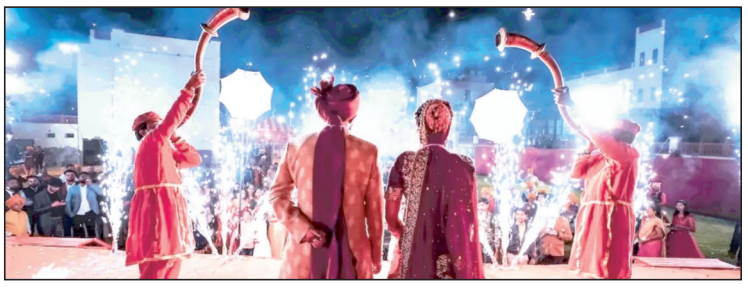

कि महंगी शादियां तुलनात्मक रूप से कम बजट वाली शादियों से कम चलती है। इस लेख में आप इस स्टडी के बारे में डिटेल में जान सकते हैं।

इस स्टडी के परिणामों से यह साफ पता चलता है कि व्यक्ति को अपनी वेडिंग के लिए बहुत ही कम खर्च करना चाहिए। ऐसा न करने वाले कपल आमतौर पर अपने रिश्ते में कम खुश देखे जाते हैं। अध्ययन में यह पाया गया है कि जिस वेडिंग में $1,000 (1,83.011 रुपए) से कम खर्च किया गया उन शादियों के लंबे समय तक चलने की संभावना बहुत अधिक थी। जबकि 20000 डॉलर (16,60,230 रुपए) या इससे अधिक वेडिंग पर खर्च करने वाले कपल्स के बीच तलाक होने की संभावना बहुत अधिक थी। शादी पर भले ही खर्च अच्छा ना हो लेकिन स्टडी में यह सामने आया है कि हनीमून पर जाना तलाक के कम खतरे के साथ महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

दंपति से मारपीट, 11 आरोपियों पर केस

हरिद्वार। दुकान पर मौजूद दंपति से मारपीट कर दी गई। पीड़ित दंपति की शिकायत पर रानीपुर कोतवाली में 11 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र की विष्णु लोक कालोनी में शराफत अली अपने परिवार के साथ रहता है। घर के बाहर उसकी किराना की दुकान है। आरोप है कि दुकान पर उसकी पत्नी सब्बो मौजूद थी। इसी दौरान वहां आ धमके शमशाद ने पत्नी से गाली गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर शमशाद ने अपने साथी नौशाद, दिलशाद, सितारा, मेहताब, समीर, शाहरूख, शोयब, वसीम, सोनो, मंसूर आलम निवासीगण जट बहादुरपुर पथरी को बुलाकर लाठी डंडों से उसकी पत्नी पर हमला कर दिया। मौके पर पहुंचे पति से भी मारपीट की गई। मारपीट में दंपति को चोटें पहुंचीं, जिन्हें एक अस्पताल ले जाया गया। एसएसआई नितिन चौहान ने बताया कि इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हैंडपंप चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव टिहरी डोबनगर से हैंडपंप चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी का सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार शोभन सिंह चौहान निवासी टिहरी डोबनगर ने थाने में तहरीर देकर हैंडपंप चोरी का आरोप लगाया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पुलिस ने पदार्था निवासी आरोपी युवक शहजाद पुत्र इरशाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने हैंडपंप चोरी करना कबूल किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया है। एसओ पथरी रविन्द्र कुमार ने बताया कि हैंडपंप चोरी के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है।

नगर निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य जल्द होगा शुरू

हरिद्वार। नगर निकाय चुनाव को लेकर मतदाता सूची में पुनरीक्षण एवं नए मतदाताओं के नाम अंकित करने की कार्रवाई को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है। नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती ने इस कार्य को करवाने के लिए सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर को नोडल अधिकारी बनाया है। जबकि सात सदस्यों की टीम में अन्य कर्मचारियों के भी नाम हैं। सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने बताया कि इसको लेकर शुक्रवार को एक बैठक विकास भवन में होनी है।

क्रिकेट की चैंपियन बनकर लौटी गुरुकुल की टीम

हरिद्वार। आरआईटी रुडकी में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी स्पोटेक चैम्पियनशिप-2023 से गुरुकुल कांगड़ी विवि की टीम चैंपियन बनकर लौटी। क्रिकेट चैम्पियशिप में गुरुकुल कांगड़ी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुये विजेता ट्रॉफी तथा नकद पुरस्कार 25000 रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। विवि के कार्यवाहक कुलपति प्रो. अम्बुज कुमार शर्मा ने खिलाडियों की खेल कुशलता एवं विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. विवेक कुमार ने कहा कि खिलाड़ी कभी राग-द्वेष अथवा संकीर्ण मानसिकता वाला नहीं हो सकता। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, डीन प्रो. सुरेन्द्र कुमार, शशिकांत शर्मा, प्रभारी, शारीरिक शिक्षा डॉ. अजय मलिक, सदस्य क्रीड़ा परिषद डॉ. शिवकुमार चौहान, क्रिकेट कोच दुष्यन्त सिंह राणा, कुलदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

अनिकेत का शव ठिकाने लगाने में दोस्त के पिता ने की थी मदद

हरिद्वार। भेल के सेक्टर एक में मिले युवक अनिकेत के शव को ठिकाने लगाने में दोस्त शुभम के पिता ने भी भूमिका अदा की थी। यह खुलासा होने पर ज्वालापुर पुलिस ने शुभम के साथ उसके पिता को भी गिरफ्तार कर लिया। चार दिन पूर्व भेल के सेक्टर एक में बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पीछे एक युवक का हाथ-पांव बंधा शव मिला था। मृतक की पहचान अनिकेत साहू उर्फ चीकू निवासी शरीफनगर मोहल्ला तेलियान ज्वालापुर के रूप में हुई थी। सामने आया था कि मृतक को आखिरी बार उसके दोस्त के साथ देखा गया था। पुलिस ने जब उसके दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की तब उसने बताया था कि अनिकेत ने उससे चालीस हजार रुपये लिए थे, जिसे वह लौटा नहीं रहा था। 31 तारीख को उसने अनिकेत को अपने घर ले जाकर बंधक बना लिया था, जिसके बाद उसने तार से उसका गला दबाकर हत्या कर दी थी। आरोप है अनिकेत के शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने अपने पिता की मदद ली थी। मृतक के हाथ पांव बांधकर पिता-पुत्र ने शव को स्कूटर पर लादकर ले जाकर फेंक दिया था। मृतक के पिता राजेंद्र सिंह ने इस संबंध में कोतवाली ज्वालापुर में मुकदमा दर्ज कराया था। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि आरोपी शुभम के अलावा उसके पिता राम अवतार को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि एक डीवीआर, हत्या में प्रयुक्त तार और एक चाकू भी बरामद हुआ है।

पूरे देश में इंडिया गठबंधन की भारी लहर : मुजतबा मलिक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 03 नवंबर : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तराखण्ड राज्य के प्रभारी मुजतबा मलिक एडवोकेट ने कहा की पूरे देश में इंडिया गठबंधन की भारी लहर है देश का OBC ,अल्पसंख्यक ,दलित किसान भाजपा से तंग आ चुका है। 2024 में इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रहा है पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता नकार रही है । मुजतबा मलिक छुटमलपुर में अपने निवास पर एक पत्रकार वार्ता कहा है ।

महंगाई ,बेरोजगारी ,किसान मजदूर ,महिला सुरक्षा आम आदमी की दिन प्रतिदिन बढ़ती असुरक्षा को लेकर जनता में भारी असंतोष है।इंडिया गठबंधन की टूट को लेकर उन्होंने कहा की कहीं पर कोई टूट नहीं है जो दल भाजपा को देश और प्रदेश से हटाना चाहते है वो सब इंडिया गठबंधन का हिस्सा बने रहेंगे क्योंकि उनका टारगेट भाजपा है ।जो दल भाजपा का साथ देना चाहते है वो ही इंडिया गठबंधन से बाहर रह कर अपने अपने अलग अलग प्रत्याशी उतारने की बात कर रहे है ।

एक सवाल की समाजवादी पार्टी के डेली हर रोज़ बयान आ रहे है की वह अकेले चुनाव लड़ेंगे और पन्द्रह सीट अन्य के लिये छोड़ेंगे पर राष्ट्रीय महासचिव ने कहा की सपा या अन्य किसी भी दल को अभी इस तरह के बयानों से परहेज करना चाहिये । अभी किसी की कोई सीट नहीं बटी सभी पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व मिलकर तय करेगा उम्मीद है सब कुछ आपसी रजामंदी से निपट जाएगा ।गठबंधन से पहले सपा नेताओं को इस तरह के बयानों से परहेज करना चाहिये ।ये सब हाईकमान के लेवल के मामले है सुलझ जाएगा समय आने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष आजम खान से मिलने गए लेकिन वो नहीं मिले इस पर उन्होंने कहा कि ये उनका निजी मामला है किस से मिलना है और नहीं मिलना है उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बहुत लंबे समय तक सदन के सदस्य रहे है उसी के नाते आजम खान से शिष्टाचार मुलाक़ात के लिये गये थे ।ओबीसी आरक्षण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव से पहले लागू होना चाहिए इस अवसर पर मनोज चौधरी ,अब्दुल हसीब मलिक ,प्रधान फ़रमान मलिक ,प्रधान नासिर अली ,रामबीर सिंह ,पदम सिंह ,राव यूसुफ़ ,अरविंद काम्बोज ,महबूब तलहेड़ी ,फ़ैसल मिर्ज़ ,परवेज़ मलिक ,आदि मौजूद रहे

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहन रवाना किए

हरिद्वार। नगर निगम क्षेत्र के उत्तरी हरिद्वार और ज्वालापुर वार्डों से कूड़ा उठाने के लिए निजी कंपनी ने कार्य शुरू कर दिया है। ज्वालापुर स्थित गुघाल मंदिर परिसर से कूड़ा उठाने वाले वाहनों को मेयर अनिता शर्मा, विधायक मदन कौशिक और विधायक आदेश चौहान ने फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मेयर अनिता शर्मा ने बताया कि वार्ड संख्या 1 से 9 और 32 से 53 में कूड़ा उठाने के लिए कंपनी के 12 वाहन लगाए गए हैं। जगह-जगह से कूड़ा नहीं उठने की शिकायत आ रही थी, जिसका संज्ञान लेते हुए उक्त कदम उठाया गया है। विधायक मदन कौशिक ने कहा कि नगर निगम द्वारा लिया गया निर्णय सराहनीय है। इससे काफी समस्या दूर हो जाएगी। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि रानीपुर विधानसभा का बहुत क्षेत्र नगर निगम में आता है जहां कूड़े की समस्या बनी हुई है। अब सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी। इस अवसर पर एमएनए दयानंद सरस्वती, मेयर प्रतिनिधि अशोक शर्मा, पार्षद जफर अब्बासी, सोहेल कुरेशी, मन्नू रियाज, सद्दीक गाड़ा, तासीन अंसारी, हाजी शाहबुद्दीन, नेपाल सिंह, योगेंद्र सैनी, हितेश चौधरी, राजेंद्र कटारिया, सुनील पांडे, श्रीकांत शर्मा, आनंद नेगी, विकास कुमार, गंगा सभा महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, मोहित शर्मा, सुनील कुमार, प्रवीण मिश्रा, सचिन लूथिया, प्रदीप, मोनू विद्याकुल आदि उपस्थित थे।

विधायक मयूख ने प्रदेश सरकार को चेताया

पिथौरागढ़। विधायक मयूख महर ने प्रदेश सरकार को चेताया है। उन्होंने कहा है कि यदि उनके धरने के अनदेखी की गई तो यह जनआंदोलन का रुप ले लेगा। इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। जिला प्रधान संगठन, आम आदमी पार्टी के साथ ही टैक्सी यूनियन ने उनके धरने को समर्थन का ऐलान किया है। टैक्सी यूनियन ने कहा कि सरकार ने विधायक की जनहित की मांगें नहीं मानी तो वे टैक्सी वाहनों का संचालन बंद कर आंदोलन को उग्र कर देंगे। गुरुवार को लगातार चौथे दिन विधायक महर ने अपने समर्थकों के साथ कलक्ट्रेट में चौथे दिन धरना दिया।इस दौरान उन्होंने कहा कि उनके धरने को लगातार जनता व जन संगठनों का समर्थन मिल रहा है। ऐसे में सरकार समय पर नहीं जागी तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। कहा कि कभी भी यह धरना जनआंदोलन का रुप ले लेगा। सरकार इस बात को समझे। पिथौरागढ़ से विमान सेवा की बात करने वाली सरकार जनभावनाओं की चिंता नहीं कर रही है। कहा कि पिथौरागढ़ के साथ चंपावत, अल्मोड़ा, बागेश्वर के सीमा से लगे गांवों के लोग भी यहां उपचार के लिए आते हैं, लेकिन सरकार करोड़ों खर्च कर बनाए गये बेस अस्पताल का पूरी व्यवस्थाओं के साथ संचालन तक नहीं कर पा रही है।

संपादकीय

इतना घातक है प्रदूषण

वायु प्रदूषण से डायबिटीज (मधुमेह) का खतरा 22 फीसदी बढ़ रहा है। यह दिल्ली और चेन्नई के करीब 12,000 लोगों पर किए गए प्रयोग और शोध का निष्कर्ष है। अध्ययन के शोधकर्ताओं में शामिल मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. वी. मोहन के अनुसार, यह अध्ययन आंखें खोल देने वाला है, क्योंकि अब मधुमेह के कारणों का एक नया आयाम खुल गया है। उनके मुताबिक, प्रदूषण के पीएम 2.5 में सल्फेट, नाइट्रेरट, भारी धातुओं और कार्बन के सूक्ष्म कण होते हैं, जो रक्त-वाहिकाओं की परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। धमनियों को सख्त करके रक्तचाप बढ़ा सकते हैं। ये कण वसा-कोशिकाओं में जमा हो सकते हैं। सूजन पैदा कर सकते हैं और सीधे हृदय की मांसपेशियों पर भी हमला कर सकते हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण शहरी भारत में गर्भ के दौरान भी डायबिटीज के मामले सामने आए हैं। एक और चिकित्सीय शोध किया गया है, जिसका निष्कर्ष है कि प्रदूषित हवा से 56 फीसदी तक पार्किन्सन का रोग बढ़ जाता है। यह शोध एक अमरीकी संस्था ने किया है। यह अध्ययन करीब 90,000 रोगियों पर किया गया है। इस बीमारी में हाथ-पैर तो कांपने ही लगते हैं, लेकिन मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ते हैं। आदमी लडख़ड़ाने लगता है, सुनने की शक्ति क्षीण हो जाती है। भारत में फिलहाल पार्किन्सन की बीमारी प्रति एक लाख में 0.5 लोगों को ही है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 10 साल में यह संख्या 25 फीसदी से अधिक बढ़ सकती है। चूंकि राजधानी दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर है, लिहाजा यहां के बाशिंदों की उम्र, वायु प्रदूषण के कारण ही, औसतन 11.9 वर्ष घट जाती है। यानी इतने साल पहले मौत दिल्लीवालों की दहलीज पर आ जाती है। यह अध्ययन भी किया गया है। दिल्ली में आजकल वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 को छूने वाला है, जो एक गंभीर स्थिति है। सामान्य प्रदूषण 100 तक झेला जा सकता है। उसके बाद खतरनाक और फिर गंभीर स्थिति आती है। दो-तीन दिन पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज के आसपास का वायु गुणवत्ता सूचकांक 999 दर्ज किया गया, जो किसी गैस चैंबर से भी भयावह है। दिल्ली ऐसा महानगर है, जहां देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद और सर्वोच्च अदालत हैं। विदेशों के दूतावास और राजनयिक भी हैं। दिल्ली भारत का हृदय है और यहीं प्रदूषण की जानलेवा समस्या हर साल उभरती है और तीन माह तक राजधानी प्रदूषण की परत में घिरी रहती है। दिल्ली की स्थानीय सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के प्रशासन में है। अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री हैं। जब तक पंजाब में 'आप' सत्तारूढ़ नहीं हुई थी, तब तक पराली जलाने के मुद्दे पर खूब प्रलाप किया जाता था। पंजाब में 'आप' सरकार के करीब पौने दो साल के कार्यकाल के बावजूद पराली जलाने के हजारों मामले आज भी आ रहे हैं। पराली पंजाब में ही नहीं, हरियाणा में भी खूब जलाई जाती है, क्योंकि हरियाणा भी बुनियादी तौर पर कृषि प्रधान राज्य है। पराली जलाने का धुआं हवा के साथ उड़ कर दिल्ली तक पहुंचता है और यहां हवा जहरीली होने लगती है। राजधानी के आसपास के इलाके भी प्रदूषित होने लगते हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

हम हमेशा अपने देश के लिए खेलेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे : सुभम सिमरन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सहारनपुर 03 नवंबर : जिला सहारनपुर के लाल शुभम चौधरी और सिमरन ने अंतरराष्ट्रीय स्तरीय एथेटिक्स खेलों में दो रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। गांव मोहम्मदपुर कंधेला निवासी शुभम चौधरी ने चीन में आयोजित एशियन गेम्स में देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने 100 व 200 मीटर स्पर्धा में दो रजत पदक झटक कर अपने गांव प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है।

शुभम चौधरी आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार से हैं। शुभम चौधरी ने संघर्ष की कहानी बताते हुए कहा कि गांव में ही वो आर्मी की तैयारी करते थे। उसके बाद मुझको पता चला की जिला सहारनपुर में आर्मी की तैयारी कराई जाती है। फिर मैंने सहारनपुर में आर्मी एकेडमी में एडमिशन कराया। उसके बाद आर्मी के साथ स्पोर्ट्स की भी शुरू कर दी। मुझे लगा की में खेल में और अच्छा कर कर सकता हूं, तो दिन रात मेहनत की। उसके बाद मैं दौड़ की ट्रेनिंग के लिए पंचकूला चला गया। जहां पर तीन साल लगातार कड़ी मेहनत के साथ और काफी चुनौतियों का सामना करते हुए ट्रेनिंग पूर्ण की। जिसके बाद पंजाब लवली यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया।

कोच गजेंद्र सिंह ने बदली जिंदगी

लवली यूनिवर्सिटी में 8 महीने पढ़ाई करने के बाद एक कोच गजेंद्र सिंह ने शुभम को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ट्रेनिंग कराई और बहुत सपोर्ट किया। उसके बाद मेरा और मेरे साथ तैयारी कर रही सिमरन का एशियन गेम्स में सलेक्शन हुआ 16 अक्टूबर को हम इंडिया से चीन के लिए रवाना हो गए। चाइना जाने के बाद 3 दिन हमने ग्राउंड में ट्रेनिंग की फिर 24 अक्टूबर 100 मीटर की दौड़ में हमने रजत पदक जीता। 26 अक्टूबर को 200 मीटर की दौड़ में भी रजत पदक जीता। शुभम बोले मेरा यही सपना ही में अपने देश के लिए और अच्छा खेलूंगा और अगली बार गोल्ड मेडल लेकर लौटूं।

मम्मी पापा और दोस्त ने बढ़ाया हौसला

शुभम चौधरी ने बताया की मुझे मेरे मम्मी पापा ने बहुत सपोर्ट किया। मुझे आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया। खुद भूखे रहे लेकिन खेलों की तैयारी में किसी चीज की कमी नहीं होने दी। मम्मी पापा के साथ साथ शुभम चौधरी ने अपने दोस्त डॉ. साकिब मलिक का जिक्र किया। जो की दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया मेरे इस सफर में मेरे दोस्त डॉ. साकिब मलिक की एक बहुत बड़ी अहम भूमिका है। इन्होने मुझे बहुत सपोर्ट किया मेरी हर चीज में मदद की और मेरी हर परेशानी में मेरे साथ खड़े रहे। आज में जिस मकाम पर खड़ा हु मेरे दोस्त का बहुत बड़ा हाथ है। उन्होंने डॉ. साकिब मलिक का धन्यवाद किया।

ब्याज माफियाओं की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी : डीएम

हल्द्वानी। लोगों के सुख-चैन पर डाका डाल रहे ब्याज माफिया पर प्रशासन ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। डीएम वंदना ने अवैध सूदखोरों की जांच कराकर उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। हल्द्वानी में ब्याज माफिया सक्रिय हैं। वसूली के नाम पर खुलेआम बदमाशी दिखा रहे सूदखोरों के खौफ में कुछ लोग खुदकुशी कर चुके हैं। हाल ही में एक ब्याज माफिया पर पुलिस ने मुकदमा तक दर्ज किया है। गौलापार, देवलचौड़, लामाचौड़, काठगोदाम, कुसुमखेड़ा, ऊंचापुल समेत तमाम क्षेत्रों में सूदखोर अपना कारोबार बेरोकटोक कर रहे हैं। 10 से 20 प्रतिशत तक ब्याज पर धनराशि देने के बाद ये लोग ब्याज न चुका पाने पर लोगों के घर जाकर उन्हें धमकियां देते हैं। ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। डीएम वंदना ने गुरुवार को इस मामले में कैंप ऑफिस में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि इन दिनों शहर में अपंजीकृत तरीके से ब्याज देने वालों की शिकायत उनके पास आ रही है। जो लोग अवैध तरीके से ब्याज पर पैसा देने का काम कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हैड़ाखान और ओखलढूंगा सडक़ सुधरेगी: डीएम ने कहा कि आपदा के कारण कई महत्वपूर्ण सडक़ों को नुकसान पहुंचा है। ओखलढूंगा क्षेत्र में भंडारपानी-पाटकोट-ओखलढूंगा सडक़ आपदा से 25 से 30 जगहों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। पीएमजीएसवाई सिंचाई खंड को इस सडक़ को ठीक करने के लिए 27.66 लाख रुपये की स्वीकृति दी है। उन्होंने बताया कि काठगोदाम-हैड़ाखान सडक़ के सुधारीकरण के लिए 61.33 लाख रुपये व पीएमजीएसवाई सिंचाई खंड की फतेहपुर-बेलबसानी सडक़ की मरम्मत के लिए भी 24 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

सत्ता के शीर्ष पर कुमाऊं के सितारे : 23 साल में से 12 साल संभाली कमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 03 नवंबर। उत्तराखंड राज्य को बने 23 साल हो गए हैं। इस युवा प्रदेश की सत्ता और सियासत में कुमाऊं मंडल की भी धमक और चमक दोनों साफ देखने को मिल रही है। राज्य गठन से लेकर अब तक सियासी सितारों ने न सिर्फ अपना मुकाम बनाया बल्कि कुमाऊं का दबदबा भी कायम रखा। कुमाऊं से पहले राजनेता भगत सिंह कोश्यारी के मुख्यमंत्री बनने के कीर्तिमान से लेकर वर्तमान में पुष्कर सिंह धामी की धमक सुनाई और दिखाई दे रही है।नौ नवंबर 2000 को नए राज्य का गठन हुआ, तब से आज तक का राज्य में राजनीतिक सफर भारी उथल-पुथल भरा रहा। हालांकि यहां केवल भाजपा और कांग्रेस की ही सरकारें रही हैं। केवल 2022 के चुनावों में मिथक टूटा, सत्ताधारी दल भाजपा बहुमत से चुनाव जीती और सत्ता में लगातार बनी रही। बात चाहे भाजपा की हो या कांग्रेस की, दोनों ही कुमाऊं और गढ़वाल के बीच संतुलन साधने की कोशिश में रहते हैं। इसके बावजूद सत्ता और सियासत में कुमाऊं का दबदबा बना हुआ है।राज्य को बने 23 साल हो गए हैं। अब तक राज्य में दस मुख्यमंत्री रहे, जिनमें कुमाऊं और गढ़वाल दोनों मंडलों से पांच-पांच सीएम रहे। कुल 23 साल के कार्यकाल में 12 साल 7 माह से अधिक समय कुमाऊं से, जबकि लगभग दस साल दो महीने गढ़वाल क्षेत्र के मुख्यमंत्री रहे।

राजनीति के लोहपुरुष भगतदा जैसा कोई नहीं..

कुमाऊं से भगत सिंह कोश्यारी ऐसे पहले राजनेता रहे जो मुख्यमंत्री बने। राजनीति में अपनी चमक बिखेरते हुए भगतदा को हाल में महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। उत्तराखंड के पहले मुख्यमंत्री बनने से लेकर और महाराष्ट्र में राज्यपाल बनने तक भगतदा देवभूमि में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उत्तराखंड का बच्चा - बच्चा और राजनीतिक गलियारों में भगतदा के जयकारे गूंजते हैं। भगतदा इसके बाद नारायण दत्त तिवारी, विजय बहुगुणा और हरीश रावत ने इस पद को सुशोभित किया। अब युवा चेहरा पुष्कर सिंह धामी के हाथ में प्रदेश की बागडोर है। विजय बहुगुणा भले ही गढ़वाल क्षेत्र से हैं मगर वह कुमाऊं के सितारगंज से चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे थे।

कुमाऊं के मतदाताओं का ही प्यार रहा कि उनके परिवार का अब तक सितारगंज से जुड़ाव है और उनके बेटे सौरभ बहुगुणा यहां से न सिर्फ विधायक हैं बल्कि मंत्री भी हैं। इस तरह प्रदेश की सियासत और सत्ता में कुमाऊं की धमक को माना जा सकता है।

भाजपा के दस प्रदेश अध्यक्षों में से छह कुमाऊं से रहे

हालांकि भाजपा और कांग्रेस हमेशा मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के मामले में कुमाऊं गढ़वाल में संतुलन बनाते रहे हैं लेकिन कुछ अवसर ऐसे भी रहे जब दोनों ही पद कुमाऊं में रहे। 2002 में जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री बने तो हरीश रावत पार्टी अध्यक्ष रहे। 2015 से 2017 तक अजय भट्ट पार्टी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष दोनों पदों पर रहे। इंदिरा हृदेश भी नेता प्रतिपक्ष रहीं।

इस समय सत्ता और विपक्ष में कुमाऊं का जलवा

प्रदेश में जब भी राजनीति की बात होती है

तो गढ़वाल और कुमाऊं के बीच शक्ति संतुलन की जरूरत भी समझी जाती है। सत्ता या विपक्षी दल दोनों ही उत्तराखंड की राजनीति के इस अहम समीकरण के बिना आगे बढ़ने की हिमाकत नहीं करते। यदि मुख्यमंत्री गढ़वाल से हो तो पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष कुमाऊं से होता है। यदि मुख्यमंत्री कुमाऊं से होता है तो प्रदेश अध्यक्ष गढ़वाल से होता है। कुछ ऐसा ही मुख्य विपक्षी दल के नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के मामले में भी नजर आता है। हालांकि वर्तमान में यह समीकरण काफी हद तक कुमाऊं की तरफ झुका हुआ नजर आता है। जब पक्ष और विपक्ष से कई बड़ी जिम्मेदारियां कुमाऊं के हिस्से में हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुमाऊं से हैं। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री अजय भट्ट भी इस समय कुमाऊं से हैं। कांग्रेस में तो इस समय पूरी तरह कुमाऊं का ही दबदबा नजर आता है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से लेकर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी तक सभी कुमाऊं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कुमाऊं की सियासी हैसियत से छेड़छाड़ पड़ी महंगी

मार्च 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अचानक राज्य में एक नया मंडल गैरसैंण बनाने की घोषणा कर दी थी। इस पर हंगामा मच गया। लोगों का कहना था कि कभी कुमाऊं की राजधानी रहा अल्मोड़ा अपनी पहचान खो देता और कुमाऊं से बाहर हो जाता। गैरसैंण मंडल बनने से कुमाऊं में विधानसभा सीटों की संख्या 29 से घटकर 21 रह जाती जबकि गढ़वाल में 36 सीट होतीं।प्रदेश में कुमाऊं के राजनैतिक महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुमाऊं की इस संभावित हानि से उपजी चिंता का असर यह हुआ कि नया मंडल तो नहीं बना लेकिन यह घोषणा मात्र ही उनके प्रखर विरोध का कारण बनी और त्रिवेंद्र को सीएम की कुर्सी गंवानी पड़ गई।

नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष में भी रही प्रमुख भागीदारी

मुख्यमंत्री पद के अलावा नेता प्रतिपक्ष में भी कुमाऊं का पलड़ा भारी रहा। अब तक के राज्य के कुल सात नेता प्रतिपक्ष में से वर्तमान नेता यशपाल आर्य सहित चार कुमाऊं से रहे जिनमें भगत सिंह कोश्यारी, इंदिरा हृदयेश, अजय भट्ट शामिल रहे।

रिकॉर्ड हरीश रावत के नाम

2016 में राष्ट्रपति शासन लगने, हटने और फिर से लगने के बीच ऐसा मौका भी आया जब बीच में हरीश रावत केवल एक दिन के मुख्यमंत्री रहे। इसके चलते सर्वाधिक तीन बार सीएम बनने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम पर है।

इंडियन ऑयल ने उत्तराखंड में भारतीय सेना की नेशन फर्स्ट बाइक रैली की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। देशभक्ति और सहयोग के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में इंडियन ऑयल ने ₹राष्ट्र प्रथम₹ थीम के तहत एकजुट होकर उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भारतीय सेना की रोमांचक बाइकर रैली अभियान को गर्व से प्रायोजित किया है। इंडियन ऑयल और भारतीय सेना दोनों द्वारा समर्थित यह संयुक्त पहल, राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए एक शक्तिशाली प्रमाण के रूप में कार्य करती है।बाइकर रैली उत्तराखंड के चुनौतीपूर्ण इलाकों के माध्यम से एक लुभावनी यात्रा, इन साहसी लोगों की अमर भावना का प्रतीक है। जो अपने से बड़े उद्देश्य के लिए बाइक चलाते हैं। ₹राष्ट्र प्रथम₹ विषय देश की भलाई के प्रति उनके अटूट समर्पण को दर्शाता है।

भारतीय सेना के अधिकारियों के लिए इस बाइक रैली का आयोजन कर इंडियन ऑयल ने हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले नायकों का समर्थन और सम्मान करने की अपनी प्रतिज्ञा को और मजबूत किया। यह कार्यक्रम केवल शारीरिक सहनशक्ति नहीं था, बल्कि भारतीय सेना की अमर भावना को याद करने और सच्चे सार का जश्न मनाने के बारे में था। राष्ट्र की सेवा में ₹सदा प्रथम₹ रहना।इंडियन ऑयल का प्रायोजन सिर्फ वित्तीय योगदान से कहीं आगे जाता है। वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि बाइक चालकों के पास उनकी यात्रा के लिए आवश्यक ईंधन हो, वे हमारे एक्सपी को लगभग दो हजार लीटर की आपूर्ति करते हैं। जिसे पहाड़ी क्षेत्र में 5 अलग-अलग खुदरा दुकानों में वितरित किया जाता है। चुनौतीपूर्ण इलाके में नेविगेट करने और ₹राष्ट्र प्रथम₹ के उद्देश्य को बढ़ावा देने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए बाइकर्स के लिए यह समर्थन आवश्यक है।

मोबाइल लूट की दो अलग- घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 नवंबर। डालनवाला थाना क्षेत्र में 30 व 31 अक्तूबर को दो अलग अलग मोबाइल लूट की घटनाएं हुईं थी। जिनका दून पुलिस ने खुलासा करते हुए 2 आरोपी गिरफ्तार किए हैं।पटेल नगर थाना क्षेत्र की कशिश निवासी कन्हैया विहार कारगी जिला देहरादून ने थाना डालनवाला पर शिकायत दर्ज की। जिसमें स्कूटी सवार 2 अज्ञात युवकों ने कशिश के हाथ से उनका मोबाइल फोन लूटने का आरोप लगाए। जबकि 31 अक्तूबर को स्ट्रीट क्राइम वादिनी अदिति टम्टा बन्नू कॉलेज देहरादून ने थाना डालनवाला पर शिकायत दर्ज की। जिसमें 2 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा भी पीछे से आकर जबरदस्ती मोबाइल फोन लूटने का आरोप लगाया।

दोनों घटनाओं के खुलासे को लेकर प्रभारी निरीक्षक डालनवाला ने तत्काल पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम की द्वारा देहरादून नगर के आसपास करीब 180 सीसीटीवी कैमरे चैक किये गए।

लूट की घटना में शामिल 2 अभियुक्तों को लूटे गए दोनों मोबाइल फोन के साथ 2 नवंबर को परेड ग्राउण्ड के अन्दर से गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में बताया गया नशे की पूर्ति के लिए आसपास के क्षेत्र से दुपहिया वाहनों को चुराकर अन्य चोरी व लूट की घटनाओं को अंजाम देते है। आरोपी आशीष उर्फ तोड़ू व तरुण निवासी खुड़बुड़ा मौहल्ला थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया।

एमबीपीजी में अध्यक्ष समेत 11 पदों के लिए 208 पर्चे बिके

हल्द्वानी। छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। एमबीपीजी में तय कार्यक्रम के अनुसार पहले दिन चार घंटे में अध्यक्ष समेत छात्रसंघ के 11 पदों के लिए 208 पर्चे बिके। कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय प्रतिनिधि पद के लिए 163 नामांकन पत्र खरीदे गए। आज (शुक्रवार) सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रत्याशियों को नामांकन कराना होगा। एमबीपीजी कॉलेज में गुरुवार सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। पहले दो घंटे में महज दो पर्चे खरीदे गए। जबकि, अंतिम दो घंटे में भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. सीएस नेगी ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष पद के लिए 10, छात्रा उपाध्यक्ष के लिए 9, सचिव के लिए 5, उप सचिव के लिए 3, कोषाध्यक्ष के लिए 4 और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद के लिए 5 नामांकन पत्र बिके।